मजदूर परिवार के बेटे रितेश ने हौंसले से भरी उड़ान

पुलिस की वर्दी पहन परिवार के सपनों को किया साकार

नवभारत न्यूज़

खरगोन, निप्र। शहर के युवा रितेश कर्मा ने अपने हौंसले से ऐसी उड़ान भरी की वह मजदूर परिवार के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। विश्वकर्मा समाज के युवा रितेश ने आर्थिक अभावों के बीच पुलिस की वर्दी हासिल की है। रितेश के पिता सांईराम कर्मा संजय नगर बस्ती के निवासी होकर सुतारी कार्य से परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। दो भाईयों के बीच रितेश ने परिवार की आर्थिक कमजोरी को अपने पुलिस बनने के सपने को आड़े नही आने दिया। पहले प्रयास में नाकाम रहने के बाद भी हिम्मत नही हारी। मेहनत और परिश्रम से दूसरे प्रयास में सफलता मिली और रितेश का पुलिस विभाग में चयन होने के साथ ही प्रशिक्षण पुरा कर हाल ही में वह पुलिस की वर्दी पहनकर घर पहुंचा है। रितेश की इस उपलब्धि पर न केवल परिवार बल्कि समाज भी खुद को गौरवांवित महसूस कर रहा है। समाज के वरिष्ठ प्रेमलाल कर्मा, दशरथ कर्मा ने रितेश के प्रशिक्षण पुरा कर घर पहुंचने पर पुष्पहार से स्वागत करते हुए बधाई दी। वरिष्ठजनों ने कहा कि रितेश का पुलिस में चयन होना प्रेरणादायक है, क्योंकि यह कड़ी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन का नतीजा है। रितेश की उपलब्धि ने उन गरीब, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवार के बेटो की उम्मीद जगाई है, जो आर्थिक अभावों के चलते हिम्मत हार जाते है। पिता सांईराम ने कहा 2025 जाते हुए घर में ऐसी खुशियां लेकर आया है, जो कभी भुलाई नही जा सकती। बेटे ने परिवार सहित समूची समाज को गौरवांवित किया है। बेटे ने समाज में परिवार का नाम रोशन किया है। रितेश ने कहा कि यदि कुछ हासिल करने का जज्बा हो, लक्ष्य निर्धारित हो, उसे पाने की ललक हो, तो आर्थिक बाधाएं सपनों के रास्ते में रुकावट नहीं बनतीं। पिता सांईराम जी, भाई राजू सहित मां रमा सहित भाई के प्रोत्साहन और कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह कामयाबी मिली है।

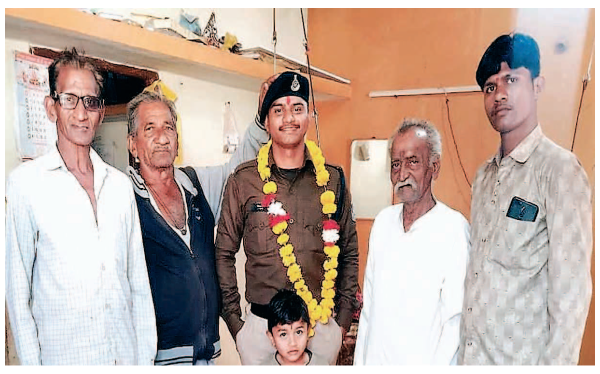

नवनिर्मित देवी अहिल्या भवन के लोकार्पण हेतु मुख्यमंत्री को आमंत्रण

बड़वाह, निप्र। शासकीय महाविद्यालय परिसर में लगभग 10 करोड़ रु की लागत से नवनिर्मित देवी अहिल्या भवन एवं स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति के लोकार्पण हेतु मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से बड़वाह आने का अनुरोध विधायक सचिन बिरला ने किया। गुरुवार को मोरटक्का खेड़ीघाट स्थित श्री राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास के कार्यक्रम में विधायक ने मुख्यमंत्री से बड़वाह पधारने का आग्रह किया।विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासी एवं विद्यार्थी नवीन देवी अहिल्या भवन का लोकार्पण तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री के करकमलों से करवाना चाहते हैं। नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता,उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सुराणा,पार्षद गणेश पटेल तथा जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री से बड़वाह आने का अनुरोध किया।

दादागुरु की नर्मदा परिक्रमा बड़वाह से गुजरी

बड़वाह, निप्र। संत समर्थ गुरु (दादागुरु) अपनी चतुर्थ नर्मदा परिक्रमा के 57वें दिन गुरुवार सुबह बड़वाह शहर से गुजरे। इस अवसर पर शहरभर में भक्तों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। आमजन के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी स्वागत में उपस्थित रहे। दादागुरु मां नर्मदा की भक्ति में लीन निराहार अवस्था में आगे बढ़ते रहे, वहीं उनके पीछे श्रद्धालुओं का विशाल काफिला चलता रहा। विभिन्न संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। लगभग आधे घंटे तक शहर में रुकने के बाद दादागुरु अगले पड़ाव के लिए वन क्षेत्र की ओर रवाना हो गए। बुधवार शाम को दादागुरु ने रामगढ़ से बड़वाह क्षेत्र में प्रवेश किया था। उन्होंने अपनी संत-मंडली के साथ नावघाट खेड़ी स्थित दादा दरबार में रात्रि विश्राम किया। नववर्ष की पूर्व संध्या पर भक्तों द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें दादागुरु ने सत्संग प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। दादागुरु ने पुनः अपनी पदयात्रा प्रारंभ की, जो बड़वाह शहर से होकर आगे बढ़ी। यह लगभग 3500 किलोमीटर लंबी नर्मदा परिक्रमा यात्रा उन्होंने 5 नवंबर 2025 (कार्तिक पूर्णिमा) को ओंकारेश्वर के गौमुख घाट से प्रारंभ की थी। बड़वाह से आगे बढ़ते हुए दादागुरु सदगुरु नागेश्वर स्थित गोपाल मंदिर पहुंचे, जहां मंदिर के महंत हनुमानदास जी महाराज ने उनका स्वागत किया.

उत्साह : उमंग के साथ नए साल की शुरुआत, पर्यटन के साथ ही धार्मिक स्थलों पर उमड़े लोग

खरगोन, निप्र। इस बार अंग्रेजी कलेंडर के नए साल यानी 2025 की शुरुआत गुरुवार को नए उत्साह- उमंग के साथ हुई। नए साल की शुरुआत लोगों ने भगवान श्री गणेश के दर्शन, पूजा-आराधना के साथ की। पंडित धर्मेश परसाई के अनुसार इस बार हिंदू पंचाग के अनुसार वर्ष में 13 माह होंगे, याने एक अधिकमास होगा। नई उम्मीदों के साथ लोगों ने नए साल का अपने- अपने तरीके से स्वागत किया। देररात 12 बजे से ही जहां आतिशबाजी कर लोगों ने नए साल का जश्न मनाया तो वही 1जनवरी की सुबह से ही शहर के के छोटे.बड़े मंदिरों में लोग दर्शन के लिए पहुंचे। नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत करने लोग सबसे पहले मंदिर पहुंचे। 2025 को भूलकर 2026 के जोरदार स्वागत का इससे बेहतरीन तरीका और हो भी नहीं सकता है। 31 दिसंबर की लेट नाइट न्यू ईयर पार्टियों का मजा लोगों ने हो हल्ले के बजाय सादगी के साथ पूरे उत्साह से मनाया। सड़कों पर जहां कम ही आवाजाही रही वहीं कॉलोनी और मोहल्लों में रखी गई मिनी पार्टियों का उत्साह बरकरार रहा। नए साल के पहले दिन लोगों ने श्री नवग्रह, कुंदा तट स्थित कालिका, गणेश मंदिर सहित ऊन एवं देवीश्री लालबाई फुलबाई मंदिर इस्कॉन मंदिर, महेश्वर कांशी विश्वनाथ, राजराजेश्वर आदि मंदिरों सहित तेली भट्याण ब्रह्मलीन सियाराम बाबा आश्रम में चरण पादूका दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अपने लिए पूरे साल में सफलता के साथ खुश शांति की प्रार्थना की गई। कुछ लोगों ने अपने घर पर धार्मिक आयोजन कराए गए। पूजा पाठ कराकर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। इसके अलावा पर्यटन स्थलों में शुमार निधिवन भी लोग पहुंचे। 31 फर्स्ट की नाईट नए साल के स्वागत के दौरान कोई खलल न हो इसके लिए पुलिस मुस्तैद नजर आई। अधिकारी रात में पेट्रोलिंग करते रहे।

मंडन मिश्र कॉलेज में आदिवासी छात्र संगठन सक्रिय

मंडलेश्वर, निप्र। आचार्य मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर में अब आदिवासी छात्र संगठन भी सक्रिय हो गया है। गत दिनों महाविद्यालय में आयोजित सादे समारोह में आदिवासी छात्र संगठन के जिलाध्यक्ष मोहन भूरिया ने जयस प्रदेश अध्यक्ष भीम सिंह गिरवाल एकलव्य भील सेवा समिति अध्यक्ष कालूराम बाडुक्या जयस महेश्वर तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र पटेल नगर परिषद मंडलेश्वर के पार्षद अनिल वर्मा की उपस्थिति और सहमति से महाविद्यालय की कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की है। नवगठित आदिवासी छात्र संगठन(ए सी एस) कार्यकारिणी में अनिल वास्कले अध्यक्ष, बंगलाल भाबर उपाध्यक्ष , सुश्री रविना डावर महासचिव,कान्हा डावर महासचिव,सुश्री काजल धार्वे सचिव,शोभाराम पटेल सचिव, भूपेन्द्र कनाडे संगठन मंत्री सिमोन वसुनिया कोषाध्यक्ष शामिल है। नवगठित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष ने वरिष्ठ जयस नेताओं की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया।नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष और जयस पदाधिकारियों के साथ प्राचार्य एम एस चौहान से सौजन्य मुलाकात कर पदाधिकारियों की नियुक्ति की जानकारी दी।

नेशनल कैंप में मंडन मिश्र कॉलेज के राम पाटीदार ने की भागीदारी

मंडलेश्वर, निप्र। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एम एल आर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डुंडीगल हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आचार्य मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय के एन एस एस सीनियर वालेंटियर छात्र रामकृष्ण पाटीदार ने इंदौर संभाग के 10 वालेंटियर्स के साथ सहभागिता की। इंदौर संभाग के दल में वे खरगोन जिले के एकमात्र वालेंटियर थे। महाविद्यालय के वालेंटियर का शिविर से लौटने पर महाविद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ एम एस चौहान ने छात्र का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। प्राचार्य ने उपस्थित छात्रों का आव्हान किया कि वे एन एस एस और महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों का हिस्सा बने। आई क्यू ए सी प्रभारी डॉ ओ एस परिहार ने कि नेशनल लेवल तक जाना गौरव की बात है . देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के एन एस एस समन्वयक डॉ प्रकाश गढ़वाल जिला संगठक खरगोन डॉ सुरेश आवासे महाविद्यालय पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ आत्माराम सोलंकी महिला इकाई की प्रो आरती लोमारे डॉ एस एस ठाकुर डॉ अजय देवडा डॉ प्रवीर पाण्डेय ने हर्षयक्त किया गया।

नए साल के आगमन पर व्यसन से दूर रखने गुरुद्वारे में विशेष उपराला

खरगोन, निप्र। गुरुद्वारा साहिब में नये साल 2026 के आगमन की खुशी में सतगुरु से संगत की उन्नति की अरदास, बीते साल का शुकराना, श्री गुरु गोबिन्द सिंघ जी के 359वें प्रकाशपुरब एवं संगत को व्यसनों से बचाने हेतु सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री गुरुसिंघ सभा के सरदार हरचरण सिंह भाटिया, सेक्रेटरी कमलजीत सिंह गांधी ने बताया कि सजाए गए दरबार में बीबा अमृत कौरजी बीबी कौलां ट्रस्ट अमृतसर साहिब द्वारा संगत को गुरमत विचार श्रवण कराकर उसे अपने जीवन में किस तरह सरोकार करें यह जानकारी दी गई। सीए राजवीर सिंघ उज्जैन वालों ने गुरबाणी का जसगान किया। बीबा प्रभप्रीत कौर पंजाबी कवियत्री उज्जैन वालो ने श्रवण कराई। अपनी कविताओं से समा बाँध दिया एवं गुरुद्वारा साहिब हाल जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से गूंज उठा। सभा के लंगर सेवा प्रमुख सरदार जसबीर सिंह भाटिया स्त्री सत्संग जत्था प्रमुख बीबी रानु सैनी ने बताया कि कीर्तन दरबार के साथ ही गुरुद्वारा साहिब में मंजीत सिंह भाटिया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में माता जसबीर कौर भाटिया परिवार द्वारा गुरु के अटूट लंगर की सेवा की गई।

एक नजर में

बड़वाह स्लीपर बस ने कार को मारी टक्कर, एयरबैग खुलने से सिविल कॉन्ट्रैक्टर की जान बची

बड़वाह, निप्र। बड़वाह के पास मोरटक्का क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्लीपर बस ने सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार सिविल कॉन्ट्रैक्टर शमीम खान गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुलने से उनकी जान बच गई। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना बुधवार दोपहर करीब 3 बजे मोरटक्का स्थित पुराने रेलवे स्टेशन के पास हुई। जगतपुरा फैक्ट्री में कार्यरत सिविल कॉन्ट्रैक्टर शमीम खान (35) किसी कार्य से होशंगाबाद गए थे और कार से बड़वाह लौट रहे थे। इसी दौरान खंडवा की ओर जा रही एक स्लीपर बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और शमीम खान ड्राइवर सीट पर ही फंस गए। उनके परिचित नरहरि दांगी ने बताया कि एयरबैग खुलने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद कार का गेट तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। घायल अवस्था में शमीम खान को बड़वाह के शासकीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। जांच में उनके हाथ और पैर की हड्डी टूटने की पुष्टि हुई। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए उन्हें इंदौर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त बस को खंडवा थाना अंतर्गत मोरटक्का पुलिस चौकी में खड़ा करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बस चालक संजय परमार ने बताया कि बस में तीर्थयात्री सवार थे, जो उज्जैन से ओंकारेश्वर दर्शन के लिए जा रहे थे।

नव वर्ष के आगमन पर द्वय मुनिराज के सानिध्य में रचा गया भक्तामर मंडल विधान

सनावद, निप्र। अनेक संत देने वाली नगरी सनावद में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निराकुल सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री तत्त्वार्थ सागर जी महाराज के सानिध्य में आदिनाथ जिनालय छोटा मंदिर जी में प्रात: 6 .45 बजे अभिषेक, शांतिधारा ततपश्चात पूजन ,भक्तामर मण्डल विधान एवम मुनिद्वय द्वारा प्रवचन संपन्न हुवे। सन्मति काका ने बताया की आदिनाथ जिनालय में नए वर्ष के आगमन के अवसर पर प्रात नित्य अभिषेक पूजन किया गया तत्पचात नगर में विराजित मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज एवम मुनि श्री निराकुल सागर जी महाराज के सानिध्य में भक्तामर मंडल विधान रचा गया जिस पर मुनि श्री के द्वारा प्रत्येक अर्ध का महत्व समझाते हुवे 48 अर्ध्य समर्पित किए गए। इस अवसर पर मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज ने अपनी बात रखते हुवे कहा की धर्म वैभव और इस निश्चयों के तूफान में अगर आप को बचना है तो आप को वीतराग भगवान के चरणों में जाना ही पड़ेगा। क्योंकि जितना व्यक्ति परिग्रह के पास जाता हे उतना आत्मा से दूर हो जाता हे परिग्रह ही यक्ति को पराजित कर देता हे। जब तक जिनेन्द्र देव की भक्ति नहीं होती जब तक संसार रूपी भेदी को नष्ट नहीं कर सकते है। इस अवसर पर सभी समाजजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर धर्म प्रभावना की।

जिला शिक्षा कार्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन

खरगोन, निप्र। जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार कानुड़े की अध्यक्षता में 01 जनवरी को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यालयीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित बैठक में श्री कानुड़े ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कर्तव्य के प्रति तत्परता दिखाने कहा। सभी कर्मचारियों को अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने कहा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री कानुड़े ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और सीएम हेल्पलाइन, जनप्रतिनिधियों के प्राप्त पत्रों, टीएल के लंबित प्रकरणों की शाखावार विस्तृत समीक्षा की। साथ ही छात्रवृत्ति वितरण, विभिन्न विभागीय योजनाओं, पेंशन प्रकरणों और विधि से संबंधित कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों और पेंडिंग फाइलों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर सहायक संचालक सुश्री सोनालिका आचाले, योजना अधिकारी श्री चंदर सिंह मंडलोई सहित कार्यालय के विभिन्न शाखा प्रभारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विशेष शिविर के समापन की पूर्व सांध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन

खरगोन, निप्र। राष्ट्रीय सेवा योजना सांदीपनि विद्यालय टेमला का सात दिवसीय शिविर ग्राम अघावन में चल रहा जिसके समापन की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री , पूर्व सरपंच तुकाराम जी पाटीदार, मयाराम जी पाटीदार, विशेष अतिथि सीताराम जी पाटीदार श्रीराम पाटीदार देवदास पाटीदार,रमेशचंद्र जी पाटीदार थे ,अध्यक्षता कार्यक्रम अधिकारी संतोष जायसवाल ने की। समस्त अतिथियों एवं कवियों का ग्राम पंचायत की ओर से स्वागत किया गया। इस कवि सम्मेलन में निमाड़ के प्रसिद्ध हास्य कवि श्री मोहन जी परमार, गीतकार ब्रजमोहन चौरे, हास्य कवि शरद त्रिवेदी, व्यंग्यकार बृजेश बडोले, वीर रस के प्रसिद्ध कवि राकेश यादव ने अपनी वीर रस की कविताओं के साथ कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्री जायसवाल ने सभी कवियों का आभार माना। सरपंच श्रीमती शांता बाई सुरेश, राम पाटीदार,देवदास पाटीदार , श्री ताराचंद पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे। उक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम अधिकारी संतोष जायसवाल ने दी।

एक नजर में

शनिवार भंडारा प्रसादी होगी (सवा महीना तक बाबा की छड़ 120 ग्रामों में दर्शन पूजा के लिए पहुंचेगी)

गोपीर बाबा का श्रृंगार उत्सव आज रात्रि में मनाया जाएगा

नवभारत न्यूज़

गोगावां, निप्र। मुख्यालय से 4 किलोमीटर दूर समीप के ग्राम बजरंगपुर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गोपीर बाबा का श्रृंगार उत्सव दो जनवरी शुक्रवार की पोश सुदी चौदस को रात्रि मे मनाया जाएगा उत्सव समिति के कार्यकर्ता शिवराम निहाले,लखन निहाले, ललित निहाले, नन्नू निहाले ने बताया कि बाबा के श्रृंगार कार्यक्रम के बाद अगले दिन शनिवार को भंडारा प्रसादी ग्रहण की जाएगी जिसमे जिले के अलावा अन्य प्रांत से भी सैकड़ों की तादात में श्रद्धालु मान मन्नत उतारने एवम लेने के लिए शामिल होंगे इस दिन रात्रि में यहां मेले जेसा वातावरण रहेगा। गोपी बाबा के मंदिर में आकर्षक विद्युत साज सज्जा भी की गई हैं दिन में श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना तुला दान कर भंडारा प्रसादी ग्रहण की जायेगी । उधर बुजुर्गो का कहना है कि इतिहास अनुसार बाबा ने बाल्यकाल अवस्था में ही इस ग्राम में प्रवेश किया था और अनुसूचित जाति के एक गरीब की झोपड़ी को अपना मुकाम बनाकर तपस्या करने लगे थे। तभी चौदह सो इसवी में मोहम्मद गजनबी का इस ग्राम में आगमन हुआ उसने गोपिर बाबा की अग्नि परीक्षा लेने के लिए एक गाय का सिर धड़ से अलग कर दिया उसको फिर से जोड़ने व जिंदा करने के लिए मोहम्मद गजनबी ने गोपीर बाबा को चुनोती दी थी जिसे गोपीर बाबा ने भी उस चुनोती को स्वीकार करते हुए अपनी आध्यात्मिक तपस्या व चमत्कारीता से उस गाय के धड़ को जोड़ दिया था वह गाय फिर से जिंदा हो गई थी बाबा के इस चमत्कार को देखकर मोहम्मद गजनबी भी बाबा के सामने नतमस्तक हो गया था और उनकी शक्तियों को मानने लगा था। महमदपुर अब बजरंगपुर ग्राम के नाम से जाना जाने लगा है पूरे गांव में इस दिन यहा मेले जैसा वातावरण रहता है रात्रि में जागरण के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। बताया जा रहा है कि बाबा की ध्वजा एक बॉस रूपी छड़ के समान होती है जिसे निमाड़ी भाषा में ध्वज माता कहा जाता है जिसे सेवादार भ्रमण के लिए सवा महीने तक क्षेत्र के 120 गाँव लेकर पहुंचते है जहां हिन्दू समाज के लोग इस ध्वज माता की पूजा अर्चना कर मन्नत के साथ ही सेवादारों को दान भेंट भी किया जाता है। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि इस दिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी यहा तैनात रहेगा ।